वी.यू. के अधिकारियों ने पॉच टी.बी. पीड़ित बच्चों को गोद लिया

उपचार के साथ साथ पोशक आहार आवश्यक – डॉ. जुयाल

मध्य प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति माननीय श्रीमति आनंदी बेन पटेल के निदेशानुसार मध्य प्रदेश को टी.बी. मुक्त बनाने की योजनानुसार नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर के पॉच अधिकारियों ने पॉच पीड़ित बच्चों को गोद लिया। वी.यू. के माननीय कुलपति डॉ. प्रयाग दत्त जुयाल, डीन फेकल्टी डॉ. एस.एन.एस. परमार, डायरेक्टर रिसर्च डॉ. वाय.पी. साहनी, डायरेक्टर बायोटक्नोलाजी डॉ. बी.सी. सरखेल, कंट्रोलर ऑफ एक्जामिनेशन एवं कार्यक्रम की नोडल अधिकारी डॉ मधु स्वामी एवं डायरेटर इंस्ट्रक्शन डॉ. एस.के. जोशी ने मोती लाल नेहरू अस्पताल, सदर केंट जाकर जिला स्वास्थ्य समिति (क्षय एवं एड्स) विक्टोरिया अस्पताल जबलपुर के धीरज दबाडें की उपस्थिति में इन बच्चों को एक माह के संपूर्ण खाद्य सामग्री सत्तू, हाई प्रोटीन मल्टीग्रेन्स, लोबिया, राजमा, लईया, दलिया एवं फल वितरित किये।

इस अवसर पर कुलपति डॉ. प्रयाग दत्त जुयाल ने कहा कि ट्यूबरकुलोसिस बीमारी काफी तेजी से फैल रही है जिसके नियंत्रण हेतु हमें प्रयास करना चाहिये। इसके प्रमुख कारण कुपोषण, नशा, बचपन में टीके न लगवाना, कौरटिकोस्टाराइड एवं अनेक एन्टीबायोटिक का अनुचित सेवन प्रमुख है। पूर्व में ट्यूबरकुलोसिस पीड़ित लोग शीघ्र स्वस्थ हो जाते थे परंतु वर्तमान में ऐंसे अनेक पीड़ित है जिन्हें मल्टी ड्रग रसिस्टेट क्षय रोग है। ऐसी अवस्था में संपूर्ण पोषण आहार ग्रहण करना चाहिये तथा दवाओं का लंबे समय तक सेवन करना चाहिये जिससे यह बीमारी शीघ्र ठीक हो सके।

डॉ. जुयाल ने बताया कि यह प्रक्रिया प्रतिमाह जारी रहेगी जब तक ये बच्चे स्वस्थ्य नहीं हो जाते। शासन की ओर से इन्हें निःशुल्क दवाए प्राप्त होती है हम इन्हें सम्पूर्ण पाषण आहार की व्यवस्था करेंगे। इन बच्चों के स्वस्थ्य होने के उपरांत अन्य पीड़ित बच्चों को गोद लिया जायेगा एवं यह प्रक्रिया निरंतर जारी रहेगी।

डॉ. ओ.पी. श्रीवास्तव
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि.,
जबलपुर